



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

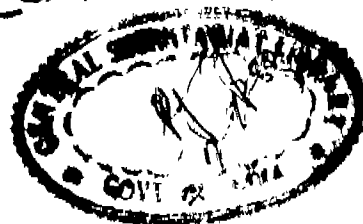
असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 229]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 4, 1980/ज्येष्ठ 14, 1902

No. 229]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 4, 1980/JYAISTHA 14, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, स्थाप और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 जून, 1980

1980 का आदेश संख्या 1

का० आ० 379(ख).—कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के नियम 2(ड) तथा नियम 3 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10(4) की उपधारा (4ख) द्वारा प्रत्यक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस बाबत प्रेषित अपने विनांक 8 जनवरी, 1979 के आदेश संख्या 1979 के 1 का अधिलंघन करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, एतद्वारा 3 जून, 1980 से कम्पनी निम्नांकित खंड पीठों का गठन करता है :—

खंड पीठ संख्या 1

- |                      |       |
|----------------------|-------|
| 1. श्री एस० एम० दूगर | सदस्य |
| 2. श्री ए० नीलाकान्त | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 2

- |                        |       |
|------------------------|-------|
| 1. श्री एस० एम० दूगर   | सदस्य |
| 2. श्री एस० सी० मिस्तल | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 3

- |                        |       |
|------------------------|-------|
| 1. श्री ए० नीलाकान्त   | सदस्य |
| 2. श्री एस० सी० मिस्तल | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 4

- |                       |       |
|-----------------------|-------|
| 1. श्री एस० एम० दूगर  | सदस्य |
| 2. श्री एस० सी० बाफना | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 5

- |                       |       |
|-----------------------|-------|
| 1. श्री ए० नीलाकान्त  | सदस्य |
| 2. श्री एस० सी० बाफना | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 6

- |                         |       |
|-------------------------|-------|
| 1. श्री एस० एम० दूगर    | सदस्य |
| 2. श्री जे० पी० मुकर्जी | सदस्य |

खंड पीठ संख्या 7

- |                         |       |
|-------------------------|-------|
| 1. श्री ए० नीलाकान्त    | सदस्य |
| 2. श्री जे० पी० मुकर्जी | सदस्य |

कम्पनी विधि बोर्ड पुनः आदेश देता है कि :—

(1) खंड पीठ संख्या 1, खंड पीठ सं० 2 तथा खंड पीठ संख्या 3 कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के अंतर्गत कम्पनी विधि बोर्ड के समस्त सम्पूर्ण देश में कार्य कर रही कम्पनियों की सभी याचिकाओं तथा आवेदन पत्रों पर सुनवाई कर सकती हैं व उन्हें अन्तिम रूप से निपटा सकते हैं।

(2) खंड पीठ सं० 4 तथा खंड पीठ संख्या 5 कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के अंतर्गत कम्पनी विधि बोर्ड के समस्त क्रमशः पश्चिमी तथा दक्षिणी प्रदेशों में कार्य कर रही

कम्पनियों की सभी याचिकाओं तथा आवेदन पत्रों पर सुनवाई कर सकती हैं व उन्हें अन्तिम रूप से निपटा सकती हैं।

- (3) खंड पीठ संख्या 6 तथा खंड पीठ संख्या 7 कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम, 1975 के अंतर्गत कम्पनी विधि बोर्ड के समक्ष पूर्ण प्रवेशों में कार्य कर रही कम्पनियों की सभी याचिकाओं तथा आवेदन पत्रों पर सुनवाई कर सकती हैं व उन्हें अन्तिम रूप से निपटा सकती हैं।
- (4) ये खंड पीठ आवश्यक समझे जाने वाले स्थानों पर अपनी बैठकें कर सकती हैं।

[फाइल सं० 2/7/80-सी०एल०-5]

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

### COMPANY LAW BOARD

New Delhi, the 3rd June, 1980

ORDER NO. 1 of 1980

S.O. 379(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4B) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with Rule 2(c) and Rule 3 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in supersession of the Company Law Board's Order No. 1 of 1979 dated the 8th January, 1979 issued in this behalf, the Company Law Board with the previous approval of the Central Government, hereby constitutes the following Benches of the Company Law Board with effect from 3rd June, 1980, namely :—

#### Bench No. 1 :

- |                        |         |
|------------------------|---------|
| 1. Shri S. M. Dugar    | Member. |
| 2. Shri A. Neelakantan | Member. |

#### Bench No. 2:

- |                    |         |
|--------------------|---------|
| 1. Shri S.M. Dugar | Member. |
| 2. Shri S.C. Mital | Member. |

#### Bench No. 3:

- |                        |         |
|------------------------|---------|
| 1. Shri A. Neelakantan | Member. |
| 2. Shri S.C. Mital     | Member. |

#### Bench No. 4:

- |                    |         |
|--------------------|---------|
| 1. Shri S.M. Dugar | Member. |
| 2. Shri S.C. Bafna | Member. |

#### Bench No. 5:

- |                        |         |
|------------------------|---------|
| 1. Shri A. Neelakantan | Member. |
| 2. Shri S.C. Bafna     | Member. |

#### Bench No. 6:

- |                        |         |
|------------------------|---------|
| 1. Shri S.M. Dugar     | Member. |
| 2. Shri J.P. Mukherjee | Member. |

#### Bench No. 7:

- |                        |         |
|------------------------|---------|
| 1. Shri A. Neelakantan | Member. |
| 2. Shri J.P. Mukherjee | Member. |

The Company Law Board further orders that :

- (1) Bench No. 1, Bench No. 2 and Bench No. 3 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning through out the country before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975;
- (2) Bench No. 4 and Bench No. 5 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning in the Western and Southern Regions before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975;
- (3) Bench No. 6 and Bench No. 7 may hear and dispose of finally all petitions and applications made in respect of companies functioning in the Eastern Region before the Company Law Board under the Company Law Board (Bench) Rules, 1975; and
- (4) The Benches may hold their sittings at such places as may be deemed necessary.

[File No. 2/7/80-CL.V.]

1980 का आदेश संख्या-2

का० प्रा० 380(घ) कम्पनी विधि बोर्ड (खंड पीठ) नियम 1975 के नियम 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस बाबत प्रेषित अपने दिनांक 8 जनवरी 1979 के आदेश संख्या 1979 के 2 का अधिलेखन करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा आदेश देता है कि जबकि कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 2 के खंड (18क) के लिए स्पष्टीकरण के अंतर्गत याचिकाएँ तथा धारा 17, 18 व 19 के अंतर्गत याचिकाओं, इसके दिनांक 3 जून 1980 के आदेश संख्या 1980 के 1 के अनुसार गठित दो सदस्यीय खंड पीठों द्वारा व्यवहारित होगी वहाँ निदेशनों के प्रेषणों तथा अन्तर्वादीय मामलों सहित सभी अन्य मामलों के संबंधित याचिकाओं इन खंड पीठों के किन्हीं भी सदस्यों द्वारा एकाकी रूप से व्यवहारित होगी।

[फाइल सं० 2/7/80-सी०एल०-5]

एम० सी० मितल सदस्य  
कम्पनी विधि बोर्ड

### ORDER No. 2 of 1980

N.O. 380(E).—In exercise of the powers conferred by Rule 4 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in supersession of the Company Law Board's Order No. 2 of 1979 dated the 8th January, 1979 issued in this behalf, the Company Law Board hereby directs that while petitions under Explanation to clause (18A) of section 2 and petitions under sections 17, 18 and 19 of the Companies Act, 1956 shall be dealt with by the Two Member Benches of the Company Law Board constituted vide Company Law Board Order No. 1 of 1980 dated the 3rd June, 1980, petitions in relation to all other matters including issuing of directions and inter-locutory matters shall be dealt with by any Member of these Benches sitting singly.

[File No. 2/7/80-CL.V]

S. C. MITAL, Member, Company Law Board.